नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

ऊर्जा संकट के दौर में संयम जरूरी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास बनी अस्थिरता ने पूरी दुनिया को एक बार फिर यह एहसास करा दिया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था आज भी तेल पर कितनी निर्भर है. अमेरिका-ईरान संघर्ष और समुद्री मार्गों पर संकट के कारण कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने लगी है. ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से संयम और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने की अपील केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि आने वाले आर्थिक संकट के प्रति चेतावनी भी है.

प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, मेट्रो और कार पूलिंग को बढ़ावा देने, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने, वर्क फ्रॉम होम अपनाने, विदेश यात्राएं सीमित करने और एक वर्ष तक सोना नहीं खरीदने जैसी अपीलें की हैं. सामान्य परिस्थितियों में यह सुझाव कठोर लग सकते हैं, लेकिन वैश्विक संकट के दौर में यही कदम अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं.

भारत अपनी जरूरत का लगभग 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है. ऐसे में पश्चिम एशिया में युद्ध या समुद्री अवरोध का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है. यदि तेल की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो इसका प्रभाव केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेगा. परिवहन महंगा होगा, उद्योगों की लागत बढ़ेगी, खाद्य पदार्थों की कीमतें ऊपर जाएंगी और अंतत: आम नागरिक की जेब पर बोझ बढ़ेगा. यही कारण है कि सरकार अभी से ऊर्जा बचत और विदेशी मुद्रा संरक्षण पर जोर दे रही है.

वर्क फ्रॉम होम को लेकर प्रधानमंत्री की अपील विशेष ध्यान देने योग्य है. कोविड काल के बाद पहली बार इस मॉडल को फिर से राष्ट्रीय आवश्यकता के रूप में देखा जा रहा है. यदि लाखों कर्मचारी सप्ताह में कुछ दिन भी घर से काम करें तो ईंधन की भारी बचत हो सकती है. ट्रैफिक कम होगा, प्रदूषण घटेगा और कार्यालयों में बिजली की खपत भी कम होगी. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी भी मानती है कि सीमित स्तर पर वर्क फ्रॉम होम लागू करने से तेल खपत और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है.

सोना नहीं खरीदने की अपील भी आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है. भारत दुनिया के सबसे बड़े गोल्ड आयातकों में शामिल है. सोने के आयात में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है. जब तेल और सोना दोनों के लिए डॉलर बाहर जा रहे हों, तब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है. यदि नागरिक कुछ समय के लिए सोने की खरीद सीमित करें तो रुपये को स्थिर रखने और आर्थिक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिल सकती है.

हालांकि यह भी सच है कि केवल नागरिकों से अपील पर्याप्त नहीं होगी. सरकार को भी सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाना होगा. इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बेहतर ढांचा तैयार करना होगा तथा ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों पर तेजी से निवेश बढ़ाना होगा. यह संकट भारत के लिए आत्मनिर्भर ऊर्जा नीति की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर भी बन सकता है.

इतिहास गवाह है कि कठिन समय में राष्ट्र केवल सरकारों के फैसलों से नहीं, बल्कि नागरिकों के अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी से मजबूत बनते हैं. आज आवश्यकता राजनीतिक बहस से अधिक राष्ट्रीय समझदारी की है. यदि देश ऊर्जा बचत और आर्थिक संयम को जन आंदोलन बना सके, तो यह संकट भी भारत की सामूहिक शक्ति का प्रमाण बन सकता है.

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

हरदीपसिंहपुरी

> बंगाल ने मतदान कर दिया है और वहां के लोगोंने अपना चुनाव कर लिया है.मतदाताओं की चाहत को समझना बहुत मुश्किल नहीं है.शांति और सड़कों पर पसरी हिंसा से मुक्ति.समृद्धि और उनके शहरों में रोजगारों की वापसी.स्थिरता और एक ऐसा प्रशासन, जो जीने देने के एवज में उनसेकोई रकम न ले. उस राज्य में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण, जिसने देश को पहला औद्योगिक क्षेत्र, उसकी वाणिज्यिक राजधानी और राष्ट्रीय प्रशासन के प्रारंभिक निर्माता दिए.जिस कलकत्ता में मैंने काम किया, उसे फिर से हासिल किया जा सकता है. वर्ष 2047 तक विकसित भारत की दिशा में अपना योगदान फिर से देने के लिएबंगाल बिल्कुल तैयार है.पिछले दशक में लिए गए हर कल्याणकारी और अवसंरचना संबंधी निर्णय के पीछे एक ऐसा प्रधानमंत्री रहा है, जो नागरिक को सर्वोपरि मानता है. उस नागरिक के प्रति विश्वास बनाए रखने के फल को अब दर्ज किया जा चुका है.

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था. हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं.कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी.बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे.बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी,जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था.

वर्ष 1950-51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था.मैं उस कलकत्ता को जानता था. विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरुआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर मेंथी.कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है. बत्तियां जलती रहीं. ट्रामें चलती रहीं.कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं.

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची-समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया.वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली.यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा. श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं. मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी. ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं. कार्यकर्ता ये चंदाइकट्ठा करते थे. सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी. पूंजीपतियों को राज्य से निकालबाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी. जबरन वसूली सेत्रस्त आम नागरिकोंके वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई.

वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी. परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई.माफिया ने अपना चोला बदल लिया; वह खत्म नहीं हुआ.वर्ष 2011 में,तृणमूल कांग्रेस 'परिवर्तन'के वादे पर सत्ता में आई. इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था.चंदा, अब एवजी-रकम बन गया.कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए. राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग में बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है. कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है. छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं. कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं.अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना थाऔर उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था. इस बदले के केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा.

एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं. अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआऔर उसकीहत्या कर दी गई.रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई.कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की.कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है.जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई.

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

मालवा- निमाड़ की डायरी

विपिन की लगन तारीफ-ए काबिल

संजय व्यास

फिलहाल प्रदेश का कोई ऐसा नहीं जो मंदसौर विधायक विपिन जैन की लगन की बराबरी कर सके. उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ की धरा पर बह रही शिवना नदी की साफ-सफाई का बीड़ा उठाया है.

2023 की दिसंबर में कांग्रेस से विधायक निर्वाचित होते ही उन्होंने जो पहला संकल्प लिया वह जलकुंभी-काई, कीटड़-कचरे से पटी शिवना के शुद्धिकरण का था. इस कार्य के लिए उनकी शिद्दत तारीफ-ए काबिल है. सुविधा अनुसार तय दिन सुबह के 7 बजते ही विपिन जैन शिवना नदी की सफाई के लिए नदी के तट पर पहुंच जाते हैं. उनके साथियों के साथ नगरवासी इसमें तन्मयता से सहयोग करते आ रहे हैं. अब तक सैंकड़ों ट्राली कचरा-गाद निकाली जा चुकी है. 2 घंटे चलने वाले इस अभियान के करीब 113 दिन हो चुके हैं.

लगातार हो रहे सामूहिक श्रमदान से शिवना नदी की तस्वीर बदल रही है. यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है. अभियान की सफलता की ओर बढ़ते कदम से उत्साहित विपिन के अनुसार सामाजिक संगठनों, ग्रामीण क्षेत्रों तथा आमजन का निरंतर सहयोग अभियान को नई ऊर्जा दे रहा है. 111 वें दिन सभी श्रमदानियों ने मिलकर नदी को पूर्ण स्वच्छ एवं निर्मल बनाने का संकल्प फिर दोहराया है. विपिन की बड़ी खूबी यह भी है कि इस कार्य का वे किसी तरह का श्रेय नहीं चाहते, बस भगवान पशुपतिनाथ के श्रद्धलुओं के लिए शिवना का निर्मल जल दिलाना ही उनका लक्ष्य है.

अंचल में जमीन तलाशती आप

आम आदमी पार्टी की नजर अंचल के खरगोन, बड़वानी, खंडवा, बुरहानपुर, नीमच मंदसौर क्षेत्र पर है. यहां राजनीतिक जमीन की तलाश में स्थानीय इकाइयों के गठन में उसका पूरा जोर है. खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर में इकाइयों के गठन के बाद हाल ही में नीमच में विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया गया है. इन क्षेत्रों में पार्टी की जड़ें जमाने के लिए आम आदमी पार्टी ने प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर को सक्रिय कर दिया है.

नीमच में विगत दिनों तोमर ने जिला स्तर पर विभिन्न प्रकोष्ठों में महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं. साथ ही इन इकाइयों को अपने क्षेत्रों में पार्टी के विस्तार की जिम्मेवारी दी गई है.

अपनी ही शिकायत की जांच का जिम्मा

आदिम जाति कल्याण विभाग बुरहानपुर का अनोखा कारनामा सामने आया है. विभाग के सहायक आयुक्त ने एक शिक्षिका के संबंध में आई शिकायत पर जांच का जिम्मा उसी शिक्षिका को सौंप दिया. दरअसल कांग्रेस आईटी सेल प्रदेश महासचिव धीरज करोसिया द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें बताया गया था कि हायर सेकेंडरी स्कूल भातखेड़ा में पदस्थ गणित की शिक्षिका की सेवाओं का उचित उपयोग नहीं हो रहा है. स्कूल में गणित विषय का एक भी विद्यार्थी नामांकित नहीं होने के बावजूद शिक्षिका को बिना शैक्षणिक कार्य के वेतन दिया जा रहा है. शिकायतकर्ता ने मांग की थी कि शिक्षक समायोजन नीति के तहत उन्हें पीएम श्री स्कूल नेपानगर जैसे स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए, जहां विद्यार्थियों को उनके अनुभव का लाभ मिल सके. हैरानी की बात तब सामने आई जब इस शिकायत की जांच के लिए विभाग ने उसी शिक्षिका को जांच अधिकारी नियुक्त कर दिया, जिनके संबंध में शिकायत की गई थी. प्रशासनिक सिद्धांतों और प्राकृतिक न्याय के अनुसार जिस व्यक्ति पर आरोप लगे हों वह स्वयं अपने मामले की जांच नहीं कर सकता. अब शिकायतकर्ता धीरज करोसिया ने अब सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग बुरहानपुर के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है. उनका आरोप है कि सहायक आयुक्त कार्यालय द्वारा जानबूझकर ऐसी त्रुटिपूर्ण जांच प्रक्रिया अपनाई गई है ताकि मामले को रफा दफा किया जा सके. अजीब जांच का यह मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है.

संघ और रॉ पर बैन की बेतुकी मांग

संघ के जिन स्वयंसेवकों की राजनीति में दिलचस्पी थी, वह पहले जनसंघ और बाद में बीजेपी से जुड़े. प्रधानमंत्री मोदी व उनके मंत्रिमंडल के अधिकांश सदस्यों का आरएसएस बैकग्राउंड रहा है.

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) को कौन-सा हक है कि वह भारत को 'विशेष चिंता का देश' करार दे और आरएसएस व आर एंड ए डब्ल्यू (रॉ) पर बैन लगाने की सिफारिश करे. यह हमारे आंतरिक मामलों में अनावश्यक दखलंदाजी है. इस अमेरिकी आयोग को मालूम होना चाहिए कि भारत आबादी के लिहाज से विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. यह अनेक धर्मों, भाषाओं व संस्कृतियों की विविधतावाला देश है. विविधता में एकता हमारी सबसे बड़ी पहचान है. भारत सार्वभौम गणतंत्र है, कोई उपनिवेश नहीं जहां कोई विदेशी संगठन हस्तक्षेप की बेतुकी बात कहे. जिस प्रकार अमेरिका की गुप्तचर एजेंसी सीआईए है, वैसी ही हमारे यहां रॉ है. इजराइल में मोसाद और पाकिस्तान में आईएसआई है. विदेशी साजिशों से देश की सुरक्षा करने के लिए रॉ की अहम भूमिका रही है. रॉ को लेकर अमेरिकी आयोग के पेट में दर्द क्यों होना चाहिए? पाकिस्तान और चीन की कुटिल चाल को नाकाम करने के लिए रॉ की सक्रियता देशहित में अत्यंत आवश्यक है. रही बात आरएसएस की जो विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक संगठन है और अपनी शताब्दी मना चुका है. संघ की शाखाओं में देशभक्ति व अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है. आरएसएस के स्वयंसेवकों ने अपनी रुचि के क्षेत्रों में रचनात्मक योगदान दिया है. संघ परिवार में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गावाहिनी, राष्ट्रसेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, अ.भा. विद्यार्थी परिषद, उद्योग भारती, शिक्षा भारती, भारत वाणी जैसे कितने ही संगठन अपने क्षेत्रों में काम कर रहे हैं. राष्ट्र निर्माण संघ का उद्देश्य रहा है. सामाजिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक प्रवाह लाने तथा एकात्मता में उसका योगदान रहा है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

अमरावती में निकली अनोखी बारात सजे-धजे हाथी पर दुल्हन सवार

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, परंपरानुसार दूल्हा घोड़ी पर सवार होकर शादी करने जाता है और बारात हमेशा वर पक्ष की ओर से निकलती है लेकिन अमरावती में एक दुल्हन खुद सजे-धजे हाथी पर सवार होकर अपनी बारात लेकर विवाह करने वर पक्ष की ओर पहुंची. आप चाहें तो इसे स्वयंवर की आधुनिक मिसाल कह सकते हैं. महिला अधिकार कार्यकर्ता अवश्य ही इस दुल्हन की दिलेरी का दिल खोलकर स्वागत या अभिनंदन करेंगे.'

हमने कहा, 'नववधु लक्ष्मी का रूप मानी जाती है. गृहलक्ष्मी हाथी पर सवार होकर आए तो अत्यंत ऐश्वर्य की बात है. आपने ऐसा चित्र देखा होगा जिसमें महालक्ष्मी के अगल-बगल 2 हाथी अपनी सूंड से पानी की बौछार कर उनका जलाभिषेक कर रहे हैं. इन्हें गजलक्ष्मी कहा जाता है. वैसे 8 प्रकार की लक्ष्मी बताई गई हैं जिनके नाम हैं- आदिलक्ष्मी, धनलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, धैर्यलक्ष्मी, संतानलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी और राज्यलक्ष्मी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हमें लगता है कि इस समय देश के अधिकांश राज्यों में शासन करने वाली बीजेपी के पास राज्यलक्ष्मी है और तमिलनाडु में टीवीके नेता-अभिनेता विजय पर विजयलक्ष्मी की अनुकंपा है.'

हमने कहा, 'हर बात में राजनीति मत लाइए. अमरावती जिले के कौंडिन्यपुर स्थित रुक्मिणी विदर्भपीठ के स्वामी राजेश्वराचार्य माउली सरकार की गोद ली हुई पुत्री के भव्य विवाह समारोह की यह घटना है जिसमें दुल्हन हाथी पर विराजमान हुई. साथ में देश के भिन्न स्थानों से आए साधु और महंत इस बारात में शामिल हुए. इस शादी में दक्षिण भारत से बैंड लाया गया था. ऐसा बैंड-बाजा बारात का भव्य नजारा पहली बार अमरावती वासियों ने देखा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आपने कौडिन्यपुर का नाम लिया. वहां द्वापर युग में विदर्भ नरेश भीष्मक की राजधानी थी. वहां की राजकुमारी रुक्मिणी ने मन ही मन श्रीकृष्ण को अपना पति मान लिया था. जब रुक्मिणी का भाई रुक्मी उसका विवाह अपने मित्र शिशुपाल से कराना चाहता था तो रुक्मिणी ने भूदेव ब्राह्मण के हाथों द्वारकाधीश श्रीकृष्ण को प्रेमपत्र भेजा और निवेदन किया कि वह अतिशीघ्र आकर उनका हरण कर लें. श्रीकृष्ण ने ऐसा ही किया. रुक्मिणी लक्ष्मी का अवतार थीं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12255

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3				4	5
6					7		
		8	9	10			
11	12		13				
						14	
15		16		17			18
	19					20	
21				22			

बाएं से दाएं

1. केंद्रीय मंडल या संघ 4. इज्जत, पानी 6. अवस्था, दशा 7. नामालूम, जो ज्ञात न हो 8. रोड़ा, बाधा 11. गीला, आर्द्र, शीतल 13. संपूर्ण 15. शापग्रस्त 17. मोमबत्ती रखने का पात्र 19. खाना बनाने की कला 20. मास, महीना 21. गले में पहनने का अर्धचंद्राकार आभूषण 22. देह, शरीर

ऊपर से नीचे

1. निपुणता, काबिलियत, उस्तादी, अभ्यास 2. समाचार, कुशल मंगल, दशा 3. मत, प्रस्ताव, विचार (सं.) 4. आदेश, हुक्म 5. बातों से मिलने वाला रस 7. अग्नि (सं.) 9. वस्त्र, कपड़े, अंबर 10. दबदबा, आतंक 12. खून का प्याला 14. भगवान कृष्ण का बालसखा 16. बिना चरखे के सूत कातने और लपेटने का एक आला 17. सलाई, छड 18. नौ बूटियों बाला ताश का पत्ता

Solution 12254

च	र	सि	या		मी		चा
रि	क्त		च्य	व	न	प्रा	श
ता	प	ना		न		ची	नी
र्थ			आ	वा	ह	न	
ता	ऊ		व	स	न		छ
	ब	क	र		न	कु	ल
ता	ना	बा	ना			श	क
लू		ड़ी		उ	छ	ल	ना

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक योजनाओं में सुधार होगा, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में भाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्त होगा, वाहन पशु आदि से लाभ होगा, आर्थिक क्षेत्र में कमी केकारण योजनायें वाधित होंगी, परिश्रम की अधिकता रहेगी, प्रियजनों के कारण कार्यो में हानि हो सकती है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों का वाहन पशु आदि का लाभ प्राप्त होगा, भाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्तहोगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को वाणी कठोरता केकारण विवादों का सामना करना पड़ सकता है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आर्थिक कार्यो में योजनायें वाधित होंगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को आर्थिक मामलों में सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यात्र में हानि हो सकती है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, शांतिप्रिय, गंभीर, लोकप्रिय, महत्वाकांक्षी, स्वाभव का होगा, अपने कार्यो के प्रति सदैव सक्रिय रहेगा, दूसरों में जल्दी अपने मन की बात प्रकट नहीं करेगा.

मेष- प्रियजनों से विवाद की आशंका है, आय के स्त्रोत बढेंगे, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, यश मिलेगा. प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होगी.

वृषभ- कार्यक्षेत्र में व्यवस्था बनाये रखने के लिये परिश्रम करना पडेगा, पारिवारिक विवाद से मन खिन्न रहेगा, धर्म कर्म, के प्रति रूचि रहेगी, यात्रा का योग है.

मिथुन- व्यापारिक साझेदारी टूटने का मलाल रहेगा, जिद में अपना ही नुकसान कर लेंगे, भाई बन्धुओं का कामकाज में सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य ठीक रहेगा.

कर्क- प्रापर्टी निवेश से लाभ होगा, बातचीत में सावधानी रखें, उपहार आदि प्राप्ति के योग हैं, पिता पक्ष से सुख मिलेगा, मित्र वर्ग आपकी मदद करेंगे.

सिंह- राजकीय मामले पक्ष में हल होंगे, सोच समझकर कर्ज लें, शिक्षा संतान के कार्यो में सफ्लता मिलेगी, अनायास शुभ प्रसंग सामने आयेंगे.

कन्या- साझेदारी में नई योजना की शुरूआत हो सकती है, आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी, समय पर कार्य पूर्ण होंगे, हर्षदायक समाचार मिलेगा.

तुला- विरोधी भी अब सहयोग करना चाहेंगे, दौड़धूप से काम बनेगा, व्यापार व्यवसाय में उन्नति होगी, मानसिक सुख मिलेगा, स्वास्थ्य लाभ के योग है.

वृश्चिक- सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे, स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें, आदरणीय लोगों का सहयोग मिलेगा, पुराना प्रिय व्यक्ति मिलेगा.

धनु- कामकाज में देरी से चिन्ता होगी, युवाओं की नौकरी की तलाश पूरी होगी, उद्देश्यपूर्ति का योग है, मानसिक सुख एवं संतोष रहेगा.

मकर- नये कार्य की शुरूआत लाभकारी रहेगी, आपसी लोगों की मदद कर खुशी मिलेगी, नौकरी में तरक्की होगी, महत्वपूर्ण कार्य बनने का योग है.

कुम्भ- घरेलू मामले बातचीत से सुलझेंगे, अधिकारियों की अनदेखी ठीक नहीं है, आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी, संतान की उन्नति होगी.

मीन- धार्मिक यात्रा होगी, आय-व्यय पर नियंत्रण रखें, परिश्रक अधिक करना होगा, नवीन कामकाज बनेगा. यात्रा में उठाईगीरों से सावधानी रखें.

उदयकालीन ग्रह चाल

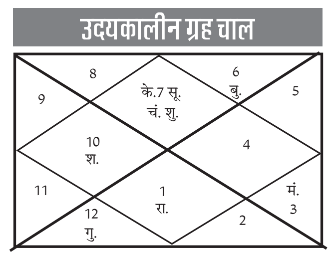

पंचांग

रा.मि. 22 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण दशमीं भौमवासरे दिन 9/48, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रे रात 9/0, वैधृति योगे रात 7/28, विष्टि करणे सू.उ. 5/25, सू.अ. 6/35, चन्द्रचार कुम्भ दिन 2/59 से मीन, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण दशमीं को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, में मंदी के बाद तेजी का योग है, सोना, चांदी, शक्कर, के भाव में तेजी होगी, अलसी, सरसों, में 12 बजकर 59 मिनिट से 10 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 2159 है.

SUDOKU 7387

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7386

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3